चम्पारण ज्ञानाग्रह

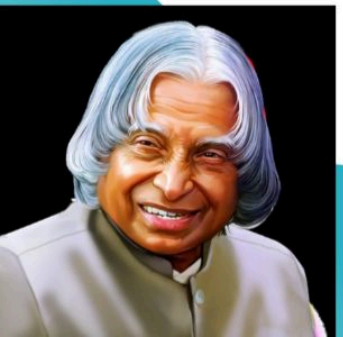
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 03 नवंबर 2026, अंक –392.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"परोपकाराय सतां विभूतयः" (सज्जनों की संपत्ति परोपकार के लिए होती है)।



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जिबूती देश की राजधानी क्या है?
उत्तर: जिबूती
प्रश्न 2. ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन हैं?
उत्तर: सानिया मिर्ज़ा।
प्रश्न 3. 'गौर मारिया' किस राज्य की जनजातीय नृत्य परंपरा है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. 1, 4, 9, 16 और 25 के बाद अगली संख्या क्या होगी?
उत्तर: 36
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा शहर रेशम उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: भागलपुर
प्रश्न 6. रात के अँधेरे में चमकने वाला छोटा कीट कौन-सा है?
उत्तर: जुगनू
प्रश्न 7. विद्युत बैटरी के आविष्कार का श्रेय किस वैज्ञानिक को दिया जाता है?
उत्तर: अलेस्सांद्रो वोल्टा
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है?
उत्तर: अनुच्छेद 19
प्रश्न 9. 'जो दिखाई न दे' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अदृश्य
प्रश्न 10. कड़ाही में तेल में आग लग जाए, तो उसे बुझाने के लिए सबसे सुरक्षित प्राथमिक उपाय क्या है?
उत्तर: ढक्कन से ढकना

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Peninsula - पेनिन्सुला - प्रायद्वीप
2. Archipelago - आर्किपेलागो - द्वीपसमूह
3. Tributary - ट्रिब्यूटरी - सहायक नदी
4. Catchment - कैचमेंट - जलग्रहण क्षेत्र
5. Watershed - वॉटरशेड - जल-विभाजक क्षेत्र
6. Aquifer - एक्विफ़र - जलभृत / भूमिगत जलधारक चट्टान
7. Reservoir - रिज़रवॉयर - जलाशय



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "What time is he/she going to + V1?"
(वह कितने बजे ... करने वाला/वाली है?)

वह कितने बजे स्कूल पहुँचने वाला है? – What time is he going to reach school?
वह कितने बजे नाश्ता करने वाली है? – What time is she going to have breakfast?
वह कितने बजे दुकान खोलने वाला है? – What time is he going to open the shop?
वह कितने बजे अपनी दादी को फोन करने वाली है? – What time is she going to call her grandmother?
वह कितने बजे घर लौटने वाला है? – What time is he going to return



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 3 नवंबर को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: वन हेल्थ दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 3 नवंबर को "वन हेल्थ दिवस" (One Health Day) मनाया जाता है। इसका प्रथम आयोजन 2016 में हुआ था। इसका उद्देश्य मनुष्य, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य को एक-दूसरे से जुड़ा मानकर सभी स्वास्थ्य-विषयों में साझा प्रयास को बढ़ावा देना है। जूनोटिक रोगों, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में यह अवधारणा विशेष महत्व रखती है। WHO, FAO, WOAH और UNEP का "चतुष्पक्षीय गठबंधन" (Quadripartite) वैश्विक स्तर पर वन हेल्थ दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है। इसी तिथि को पनामा का पृथक्करण दिवस (1903) भी मनाया जाता है।
संदर्भ: One Health Commission — onehealthcommission.org; WHO One Health Initiative — who.int;

प्र.2. अक्टूबर 2026 में नई दिल्ली में आयोजित 12वें BRICS संसदीय मंच का उद्घाटन किसने किया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: ओम बिरला
व्याख्या: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 26 अक्टूबर 2026 को संसद भवन परिसर के संविधान सदन में 12वें BRICS संसदीय मंच का उद्घाटन किया। दो दिवसीय इस मंच की थीम "संसदों को लोक-केंद्रित विकास हेतु सशक्त बनाना" (Strengthening Parliaments for People-Centric Development) थी। इसमें BRICS के सदस्य और साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। 27 अक्टूबर को संयुक्त घोषणा-पत्र अपनाया गया, जिसमें आतंकवाद के विरुद्ध साझा रुख और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित UN सुधारों की माँग शामिल है। वर्ष 2026 में भारत BRICS की अध्यक्षता कर रहा है और समूह के 20 वर्ष पूर्ण हुए हैं।
संदर्भ: ddnews.gov.in 26–27 Oct 2026 — 12th BRICS Parliamentary Forum;

प्र.3. "रेत समाधि" उपन्यास की लेखिका कौन हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: गीतांजलि श्री
व्याख्या: "रेत समाधि" (2018) गीतांजलि श्री का हिंदी उपन्यास है, जिसमें अस्सी वर्ष की एक वृद्धा के जीवन-संघर्ष और विभाजन की स्मृतियों के माध्यम से सीमाओं, उम्र और पहचान के प्रश्न उठाए गए हैं। इसका अंग्रेजी अनुवाद डेज़ी रॉकवेल ने "Tomb of Sand" नाम से किया। इसे 2022 का अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला। यह सम्मान पाने वाली यह हिंदी की प्रथम और किसी भी भारतीय भाषा की पहली कृति है। पुरस्कार राशि लेखिका और अनुवादक के बीच बराबर बाँटी गई। गीतांजलि श्री का जन्म उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में हुआ था।
संदर्भ: The Booker Prizes — thebookerprizes.com International Booker 2022;

प्र.4. भारत का प्रथम जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserve) कौन सा है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: नीलगिरि
व्याख्या: नीलगिरि जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र भारत का प्रथम जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र है, जिसे 1986 में घोषित किया गया। यह तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के पश्चिमी घाट क्षेत्र में फैला है। जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र ऐसे विशाल संरक्षित क्षेत्र होते हैं जहाँ पौधों, जंतुओं और स्थानीय समुदायों की पारंपरिक जीवन-शैली, तीनों के संरक्षण का प्रयास होता है। यहाँ नीलगिरि तहर, शेर-पूँछ वाला बंदर और अनेक स्थानिक पादप प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसी श्रेणी में सुंदरबन, नंदा देवी और पंचमढ़ी जैसे क्षेत्र भी आते हैं। इनका उद्देश्य जैव विविधता को सुरक्षित रखना है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals;

प्र.5. दांडी यात्रा किस तिथि को प्रारंभ हुई थी? (इतिहास)
उत्तर: 12 मार्च 1930
व्याख्या: महात्मा गाँधी ने 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से अपने 78 सहयोगियों के साथ दांडी यात्रा प्रारंभ की। लगभग 24 दिनों में करीब 240 मील की पदयात्रा के बाद वे 6 अप्रैल 1930 को गुजरात के तटवर्ती गाँव दांडी पहुँचे और वहाँ समुद्र-तट पर नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा। नमक पर सरकारी एकाधिकार और कर हर वर्ग को प्रभावित करता था, इसलिए नमक सत्याग्रह जन-आंदोलन बन गया। यहीं से सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ माना जाता है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 34–36 (Salt March).

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भाखड़ा-नांगल बाँध किस नदी पर बना है? (भूगोल)
उत्तर: सतलुज
व्याख्या: भाखड़ा बाँध सतलुज नदी पर हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में स्थित है, जबकि नांगल पंजाब में है। लगभग 226 मीटर ऊँचा यह बाँध भारत के सबसे ऊँचे सीधे गुरुत्व बाँधों में गिना जाता है। इसके जलाशय को "गोविंद सागर" कहते हैं। यह बहुउद्देशीय परियोजना है, जिससे सिंचाई, जल-विद्युत उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण तीनों लाभ मिलते हैं। जवाहरलाल नेहरू ने बहुउद्देशीय परियोजनाओं को "आधुनिक भारत के मंदिर" कहा था। इसका लाभ पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बड़े क्षेत्र को मिलता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 3 Water Resources, p. 34–36 (Multi-purpose projects).

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता का अंत किया गया है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 17
व्याख्या: संविधान का अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता का अंत करता है और किसी भी रूप में इसके आचरण को निषिद्ध घोषित करता है। यह समता के अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) का भाग है। इसके उल्लंघन को दंडनीय अपराध बनाने के लिए संसद ने 1955 में अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम बनाया, जिसे 1976 में संशोधित कर "नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम" नाम दिया गया। यह प्रावधान राज्य के साथ-साथ निजी व्यक्तियों पर भी लागू होता है। महात्मा गाँधी ने अस्पृश्यता-निवारण को स्वतंत्रता आंदोलन के रचनात्मक कार्यक्रम का अंग बनाया था।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights (Right to Equality);

प्र.8. लोहे में जंग लगने के लिए हवा (ऑक्सीजन) के साथ और क्या आवश्यक है? (विज्ञान)
उत्तर: जल (नमी)
व्याख्या: लोहे पर जंग तब लगती है जब वह ऑक्सीजन और जल (नमी), दोनों के संपर्क में आता है। इनमें से एक भी न हो तो जंग नहीं लगती। जंग लोहे का जलयोजित आयरन ऑक्साइड ($Fe_2O_3 \cdot xH_2O$) है, जो भूरे रंग की भुरभुरी परत के रूप में दिखती है और धातु को कमजोर करती है। इस प्रक्रिया को संक्षारण (Corrosion) भी कहते हैं। बचाव के उपाय हैं: पेंट करना, तेल या ग्रीस लगाना, तथा लोहे पर जस्ते की परत चढ़ाना (गैल्वनीकरण)। नमी अधिक होने और खारे जल के क्षेत्रों में जंग तेजी से लगती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 7, Ch 6 Physical and Chemical Changes (Rusting);

प्र.9. "कथक" शब्द की उत्पत्ति किस शब्द से मानी जाती है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कथा (कहानी)
व्याख्या: "कथक" शब्द संस्कृत के "कथा" शब्द से बना है, जिसका अर्थ कहानी है। प्रारंभ में कथक उत्तर भारत के मंदिरों में कथा सुनाने वाले कथावाचकों की एक जाति थी, जो कथा के साथ हाव-भाव और अभिनय भी करते थे। भक्ति आंदोलन के प्रसार के साथ इसमें राधा-कृष्ण की कथाएँ जुड़ीं। मुगल दरबारों और नवाबी संरक्षण में यह नृत्य परिष्कृत हुआ और इसके दो प्रमुख घराने विकसित हुए: जयपुर और लखनऊ। अवध के नवाब वाजिद अली शाह लखनऊ घराने के संरक्षक माने जाते हैं। आज कथक भारत की शास्त्रीय नृत्य शैलियों में गिना जाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 9 The Making of Regional Cultures (Story of Kathak);

प्र.10. क्षेत्रफल की दृष्टि से बिहार का सबसे बड़ा जिला कौन सा है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पश्चिम चंपारण
व्याख्या: लगभग 5,228 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ पश्चिम चंपारण बिहार का सबसे बड़ा जिला है। इसका मुख्यालय बेतिया है और इसकी सीमाएँ नेपाल तथा उत्तर प्रदेश से लगती हैं। बिहार के कुल वन क्षेत्र का सबसे बड़ा हिस्सा इसी जिले में है, और बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य, वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व, यहीं स्थित है। इसके विपरीत शिवहर क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 443 वर्ग किमी है। बिहार का कुल क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किमी है और राज्य में 38 जिले हैं।
संदर्भ: Census of India 2011 — District Census Handbook, West Champaran; Bihar Government — state.bihar.gov.in; Bihar GK BPSC Reference.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. कचरे को गीला और सूखा में अलग-अलग रखने की प्रक्रिया क्या कहलाती है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: अपशिष्ट पृथक्करण
व्याख्या: BDMC कैलेंडर के अनुसार इस सप्ताह (31 अक्टूबर से 6 नवंबर) का विषय "स्वच्छता संबंधी जानकारी" है। इसके अंतर्गत कचरे को स्रोत पर ही अलग करना सबसे आधारभूत आदत है। सब्जी-फल के छिलके, बचा भोजन और पत्तियाँ "गीला कचरा" हैं, जिनसे खाद बनाई जा सकती है। कागज, प्लास्टिक, काँच और धातु "सूखा कचरा" हैं, जिनका पुनर्चक्रण हो सकता है। बैटरी, दवा और चिकित्सीय कचरा जैसे हानिकारक पदार्थ अलग रखने चाहिए। कचरा खुले में फेंकने से मक्खी-मच्छर बढ़ते हैं और जल तथा भोजन के दूषित होने से रोग फैलते हैं। विद्यालय में अलग-अलग डिब्बे रखना और बच्चों से सफाई-श्रमदान कराना इस आदत को मजबूत करता है।
संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar 2026, October — Fifth Saturday (स्वच्छता संबंधी जानकारी);

प्र.12. रमेश अपने घर से 8 किमी पूरब की ओर चला, फिर वहाँ से 6 किमी उत्तर की ओर गया। वह घर से सीधी दूरी पर कितनी दूर है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 10 किमी
व्याख्या: पूरब और उत्तर परस्पर समकोण दिशाएँ हैं, इसलिए रमेश का मार्ग एक समकोण त्रिभुज की दो भुजाएँ बनाता है और घर से सीधी दूरी कर्ण होगी। पाइथागोरस प्रमेय से कर्ण = $\sqrt{(8^2 + 6^2)} = \sqrt{(64 + 36)} = \sqrt{100} = 10$ किमी। यहाँ 6, 8, 10 एक "पाइथागोरस त्रिक" है, जो 3, 4, 5 का दोगुना है। इसी कारण गणना बिना कठिनाई के हो जाती है। दिशा-ज्ञान के प्रश्नों में दूरी निकालने के लिए इसी विधि का प्रयोग होता है। ऐसे प्रश्न रेलवे, SSC और BPSC की परीक्षाओं के तर्क खंड में प्रायः पूछे जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 6 The Triangle and its Properties (Pythagoras Property);

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fecund (फीकन्ड) = Fertile (फर्टाइल) = उपजाऊ / अत्यधिक उत्पादक
Antonym – Barren (बैरेन) = बंजर / अनुपजाऊ
Misanthrope (मिसैनथ्रोप) = People-hater (पीपल-हेटर) = मानवद्वेषी / मनुष्यों से घृणा करने वाला
Antonym – Philanthropist (फिलैनथ्रोपिस्ट) = परोपकारी / मानवतावादी
Refulgent (रिफल्जन्ट) = Radiant (रेडिएंट) = चमकदार / तेजस्वी
Antonym – Dull (डल) = निस्तेज / फीका
Supercilious (सूपरसिलियस) = Arrogant (ऐरोगन्ट) = घमंडी / अहंकारी
Antonym – Humble (हम्बल) = विनम्र / नम्र
Vicissitude (विसिसिट्यूड) = Variation (वेरिएशन) = जीवन की परिस्थितियों में उतार-चढ़ाव / परिवर्तन
Antonym – Stability (स्टेबिलिटी) = स्थिरता / स्थायित्व



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. CBI Extradites Mahadev App Promoter Sourabh Chandrakar from Oman; ₹6,000 Crore Online Betting Empire Kingpin Arrested
हिन्दी अनुवाद: CBI ने Mahadev App के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किया; ₹6,000 करोड़ के ऑनलाइन सट्टा साम्राज्य का मास्टरमाइंड गिरफ्तार।
केंद्रीय जाँच ब्यूरो (CBI) ने 2 नवम्बर 2026 को Mahadev Online Book App के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार किया। Mahadev App ₹6,000 करोड़ से अधिक का अवैध ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी नेटवर्क था जो मुख्यतः छत्तीसगढ़ से संचालित था और जिसमें बॉलीवुड हस्तियों, कारोबारियों और अधिकारियों से जुड़े संबंध का आरोप है। चंद्राकर अपने सहयोगी रवि उप्पल के साथ संयुक्त अरब अमीरात और दुबई में छुपा हुआ था। यह गिरफ्तारी ED, CBI और Interpol की संयुक्त कार्रवाई का परिणाम है। UPSC/BPSC के साइबर अपराध, मनी लॉन्ड्रिंग और PMLA खंड के लिए महत्वपूर्ण। (indianopinion)

2. Centre Suspends Census 2027 Exercise in Manipur Over NRC Demands; Statewide Unrest Continues
हिन्दी अनुवाद: केंद्र सरकार ने NRC माँग के बीच मणिपुर में जनगणना 2027 की पूरी प्रक्रिया स्थगित की; राज्य में अशांति जारी।
केंद्र सरकार ने NRC (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) की माँग के कारण उत्पन्न विवाद के मद्देनज़र मणिपुर में जनगणना 2027 की पूरी प्रक्रिया स्थगित कर दी है। मणिपुर में मेइतेई और कुकी-ज़ो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष मई 2023 से जारी है। NRC लागू करने की माँग मुख्यतः मेइतेई समुदाय की है जबकि पहाड़ी जनजातियाँ इसका विरोध करती हैं। जनगणना 2027 देशभर में आयोजित होनी है — यह पहला अवसर है जब किसी राज्य में पूरी जनगणना प्रक्रिया स्थगित हुई है। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 246 और जनगणना अधिनियम 1948 के संदर्भ में UPSC के लिए महत्वपूर्ण है। (indianopinion)

3. PM Modi Approves Delhi–Guwahati Bullet Train Corridor via Siliguri; Project to Cover 1,600 km at 320 kmph
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने Delhi-Guwahati बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी दी; 1,600 km, 320 kmph गति — पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी में क्रांति।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 नवम्बर 2026 को दिल्ली-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को सैद्धांतिक मंजूरी दी। यह कॉरिडोर सिलीगुड़ी से होकर गुज़रेगा जिससे पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर-पूर्वी राज्यों को सीधा लाभ मिलेगा। 320 kmph की गति से 1,600 km की यात्रा लगभग 5-6 घंटे में पूरी होगी (अभी 30+ घंटे)। भारत में पहले से ही मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन (शिंकानसेन तकनीक पर आधारित) निर्माणाधीन है। यह परियोजना Viksit Bharat@2047 और पूर्वोत्तर के बुनियादी ढाँचे के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Cyclone Murasu Crosses South Coastal Andhra Pradesh; Telangana on Red Alert — IMD Warns of Heavy Rain
हिन्दी अनुवाद: चक्रवात 'मुरासू' ने दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश को पार किया; तेलंगाना के दो ज़िलों पर Red Alert — IMD ने भारी वर्षा की चेतावनी दी।
Severe Cyclonic Storm 'Murasu' 2 नवम्बर को पश्चिम-मध्य और निकटवर्ती दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर था और South Coastal Andhra Pradesh को पार कर रहा था। IMD ने तेलंगाना के दो ज़िलों के लिए Red Alert जारी किया। यह Cyclone Arnab (28 अक्टूबर 2026) के बाद मात्र 5 दिनों में आंध्र प्रदेश को प्रभावित करने वाला दूसरा चक्रवात है। Arnab में 7 मृत और ₹4,600 करोड़ की क्षति हुई थी; अब Murasu से कृषि और पुनर्निर्माण कार्यों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। (uniindia)

2. Cyclone Arnab Central Assessment Team Begins Field Visit in Odisha from November 2; ₹4,600 Crore Damage in AP
हिन्दी अनुवाद: Cyclone Arnab: केंद्रीय आकलन दल ने 2 नवम्बर से ओडिशा का दौरा शुरू किया; आंध्र प्रदेश में ₹4,600 करोड़ की क्षति।
अष्ट-सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (IMCT) Joint Secretary Ravi Shankar की अगुआई में 2 से 4 नवम्बर तक ओडिशा के दक्षिणी ज़िलों में Cyclone Arnab की क्षति का आकलन करने के लिए दौरा कर रहा है। आंध्र प्रदेश के CM N. Chandrababu Naidu ने बताया कि Cyclone Arnab से प्रारंभिक आकलन के अनुसार ₹4,600 करोड़ की क्षति हुई है — 7 लोगों की मृत्यु हुई और 79,000 एकड़ फसल नष्ट हुई। Andhra Pradesh में 89,000 और Odisha में 48,000 लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा चुका था। (Today in India: 2 November 2026 - Indian Opinion +2)

3. IDBI Bank Employees Go on 2-Day Nationwide Hunger Strike Against Privatisation; Banks Function Normally
हिन्दी अनुवाद: IDBI Bank कर्मचारियों की निजीकरण के विरुद्ध 2 दिन की राष्ट्रव्यापी भूख हड़ताल; बैंक का कामकाज सामान्य।
IDBI Bank के कर्मचारी और अधिकारी 2-3 नवम्बर 2026 को बैंक के प्रस्तावित निजीकरण और हिस्सेदारी बिक्री के खिलाफ राष्ट्रव्यापी दो दिवसीय भूख हड़ताल पर हैं। भारत सरकार IDBI Bank में अपनी 45.48% हिस्सेदारी और LIC की 49.24% हिस्सेदारी में से कुछ बेचने की योजना बना रही है। बैंक कर्मचारी संघों का कहना है — यह भारतीय वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। UPSC/BPSC के बैंकिंग, विनिवेश और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) खंड के लिए महत्वपूर्ण। (dainikjagranmpcg)

BIHAR NEWS

1. Bihar on IMD Heavy Rain Alert for November 2-3; CM Samrat Choudhary Reviews Post-Flood Relief; Ex-Gratia Distribution Complete

हिन्दी अनुवाद: IMD ने 2-3 नवम्बर को बिहार में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया; CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ के बाद राहत कार्यों की समीक्षा की; अनुग्रह अनुदान वितरण पूर्ण।

IMD ने 2-3 नवम्बर को बिहार सहित उत्तर प्रदेश, झारखंड, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी वर्षा की संभावना जताई है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अक्टूबर में आई बाढ़ के दूसरे दौर में प्रभावित परिवारों को 12 अक्टूबर 2026 को अनुग्रह अनुदान (ex-gratia) वितरित किया था। CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ क्षति की विस्तृत रिपोर्ट अधिकारियों से माँगी और Indian Air Force द्वारा सारण जैसे दुर्गम क्षेत्रों में राहत सामग्री वायु-वितरण के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। भारतीय सेना, रक्षा मंत्रालय और IAF के प्रति आभार जताया गया। (dainikjagranmpcg) (asianetnews)

2. Diwali Homebound Trains from Delhi to Bihar 'No Room': 24,000+ Tickets Already Booked; Bihar SIR Finds No Foreign Voters in Kishanganj, Araria Border Districts

हिन्दी अनुवाद: दिल्ली से बिहार की ओर दिवाली ट्रेनों में 'No Room' — 24,000 से अधिक टिकट बुक; बिहार SIR में किशनगंज-अररिया सीमा ज़िलों में कोई विदेशी मतदाता नहीं मिला।

दिवाली (8 नवम्बर) के नज़दीक आते ही बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ है — कुछ ट्रेनों में Booking open होने के 30 मिनट के भीतर 'No Room' हो गई और 24,000 से अधिक Delhi-Patna Confirmed टिकट पहले ही बुक हो गए हैं। दूसरी प्रमुख खबर — बिहार में Special Intensive Revision (SIR) के अंतर्गत सीमावर्ती ज़िलों किशनगंज और अररिया में मतदाता सूची की गहन जाँच में कोई "विदेशी मतदाता" नहीं पाया गया — यह NRC बहस के बीच एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निष्कर्ष है। (patnapress)

SPORTS NEWS

1. Dakar 2026 Youth Olympics (Oct 31–Nov 13): India's 17 Athletes in Action — Dhinidhi Desinghu, Syndrela Das, Tanvi Patri as Medal Prospects; First Olympic Event on African Soil

हिन्दी अनुवाद: Dakar 2026 ग्रीष्मकालीन युवा ओलम्पिक (31 अक्टूबर-13 नवम्बर): भारत के 17 खिलाड़ी 11 खेलों में — धिनिधि देसिंघु, सिंड्रेला दास, तन्वी पत्री पदक उम्मीदवार; अफ्रीका में पहली ओलम्पिक प्रतियोगिता।

IOA ने 26 अक्टूबर 2026 को Dakar 2026 Summer Youth Olympic Games के लिए 17-सदस्यीय भारतीय दल घोषित किया। Games 31 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक Senegal में आयोजित हैं — यह अफ्रीकी धरती पर पहला ओलम्पिक खेल आयोजन है। तैराक धिनिधि देसिंघु (16 वर्ष) तीन events में, Table Tennis खिलाड़ी Syndrela Das और Badminton खिलाड़ी Tanvi Patri भारत की प्रमुख पदक उम्मीदवार हैं। भारतीय दल में 11 महिला और 6 पुरुष खिलाड़ी हैं जो Athletics, Archery, Badminton, Beach Wrestling, Boxing, Equestrian, Judo, Swimming, Table Tennis, Windsurfing और Wushu में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2018 Buenos Aires Youth Olympics भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था — 13 पदक (3 स्वर्ण)। (IOA Announces India's Dakar 2026 Youth Olympic Contingent +2)

2. India Women's Asia Cup Final (Confirmed): India vs Sri Lanka in Dubai — Harmanpreet's Team Eyes Record 8th Title

हिन्दी अनुवाद: Women's Asia Cup Final: India बनाम Sri Lanka — Dubai में Harmanpreet की टीम रिकॉर्ड 8वें खिताब की दावेदार। भारतीय महिला क्रिकेट टीम Women's Asia Cup 2026 के Final में Sri Lanka से भिड़ेगी। Harmanpreet Kaur की कप्तानी में भारत ने Group Stage में Pakistan को T20I इतिहास के सबसे कम स्कोर 55 पर समेटा था और Smriti Mandhana ने Hong Kong के खिलाफ 64 गेंदों में 124* रन बनाए थे। भारत महिला एशिया कप में सर्वाधिक 7 बार विजेता रही है। Harmanpreet T20I में 150वीं कप्तानी का ऐतिहासिक रिकॉर्ड पहले ही बना चुकी हैं — किसी भी लिंग की पहली क्रिकेटर।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🪔 "परिश्रम की रोशनी में ज्ञान का उत्सव मनाएं — यही असली दिवाली है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

अच्छाई का विस्तार

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक गाँव में पहुँचे। गाँव के लोग बड़े सज्जन और सेवाभावी थे। उन्होंने गुरु जी और उनके शिष्यों का आदर-सत्कार किया। चलते समय गुरु नानक देव जी ने गाँव वालों को आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव उजड़ जाए और तुम सब अलग-अलग जगहों पर जाकर बसो।"

गुरु जी के शिष्य यह सुनकर हैरान रह गए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं पूछा।

कुछ दूर चलने के बाद वे दूसरे गाँव पहुँचे। वहाँ के लोग स्वार्थी और उपद्रवी थे। उन्होंने अतिथियों का स्वागत तो दूर, उन्हें बैठने तक नहीं दिया। कुछ लोगों ने तो उन पर पत्थर भी फेंके।

गुरु नानक देव जी ने उस गाँव को भी आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव आबाद रहे और तुम सब यहीं रहो।"

इस बार शिष्यों से रहा नहीं गया। उन्होंने गुरु जी से पूछा, "जिस गाँव के लोग अच्छे थे, आपने उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद दिया। और जहाँ लोगों ने हमारा अपमान किया, उसे आबाद रहने का आशीर्वाद दिया। ऐसा क्यों?"

गुरु नानक देव जी ने समझाया, "अच्छे लोग जहाँ भी बसेंगे, वे अपनी अच्छाई, सेवा और सद्भाव से नए स्थान को भी अच्छा बना देंगे। उनकी अच्छाई दूर-दूर तक फैलेगी। लेकिन बुरे लोग यदि एक ही जगह रहेंगे, तो उनकी बुराई वहीं सीमित रहेगी। यदि वे अलग-अलग जगह फैलेंगे, तो बुराई भी फैल सकती है।"

शिष्यों को बात समझ में आ गई।

प्रेरक सीख: अच्छाई का स्वभाव फैलना है। अच्छे विचार, अच्छे कर्म और सद्भाव जहाँ पहुँचते हैं, वहाँ जीवन को बेहतर बनाते हैं। इसलिए स्वयं अच्छे बनें और अपनी अच्छाई से आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-31

सोचो... समझो... हल करो...

					6	9		
		9	8	1				
	2	7						5
		6		8				
					1			
	7					4	8	3
		2	3	5	8			
							4	9
			2		9			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

— कबीरदास

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	1	6	7	2	5	9	3	4
4	3	9	6	1	6	7	2	6
6	2	7	9	3	4	8	1	6
2	9	6	4	8	3	6	7	1
3	6	4	6	7	1	6	9	2
1	7	6	6	9	2	4	6	3
9	4	2	3	6	6	1	6	7
6	6	3	1	6	7	2	4	9
7	6	1	2	4	9	3	6	6

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 9, श्लोक 22
अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते।
तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो अनन्य भाव से (बिना किसी अन्य भटकाव के) मेरा चिंतन करते हुए निरंतर मेरी उपासना (सत्य और कर्तव्य की साधना) में लगे रहते हैं, उन नित्य-युक्त पुरुषों के 'योग' (जो अप्राप्त है उसे प्राप्त कराना) और 'क्षेम' (जो प्राप्त है उसकी रक्षा करना) का भार मैं स्वयं वहन करता हूँ।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
यह श्रीमद्भगवद्गीता के सबसे प्रसिद्ध और आश्वासन देने वाले वचनों में से एक है। यहाँ श्रीकृष्ण जीवन की दो सबसे बड़ी चिंताओं—'जो नहीं है उसे कैसे पाएँ (योग)' और 'जो है उसे कैसे बचाएँ (क्षेम)'—का समाधान प्रस्तुत करते हैं:

- अनन्यता (Single-Pointed Focus & Absolute Alignment): 'अनन्य' का अर्थ है जहाँ कोई दूसरा विकल्प या भटकाव न हो। जब कोई व्यक्ति अपने पूरे सामर्थ्य, विचारों और निष्ठा को किसी उदात्त ध्येय या कर्तव्य में झोंक देता है, तो उसकी मानसिक ऊर्जा बिखरती नहीं है।
- योग और क्षेम का दायित्व (The Universal Law of Reciprocity): प्रकृति का यह अटल नियम है कि जो व्यक्ति संपूर्ण समर्पण के साथ समष्टि, समाज और अपने स्वधर्म के प्रति जवाबदेह रहता है, उसकी बुनियादी ज़रूरतों, प्रगति और सुरक्षा की व्यवस्था पूरी प्रकृति मिलकर करती है। आपको अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की संकीर्ण चिंता करने की ज़रूरत नहीं रहती।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

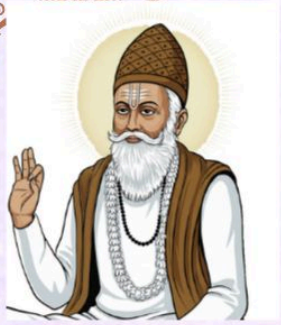
शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

निर्गुण भक्ति के सम्राट: संत कबीर दास

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी दो पंक्तियों के ऐसे छोटे-छोटे दोहे सुने हैं, जिनमें गागर में सागर की तरह जीवन की सबसे बड़ी सीख भरी होती है? जैसे—"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥" या फिर—"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय॥" इन मीठे और अमर दोहों की रचना करने वाले महापुरुष कोई और नहीं, बल्कि हमारे देश के महान समाज सुधारक, क्रांतिकारी कवि और संत कबीर दास थे!

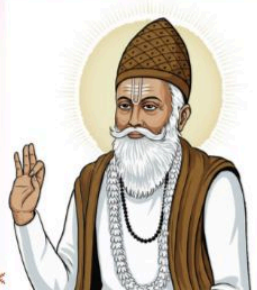
संत कबीर दास का प्राकट्य 15वीं शताब्दी (लगभग 1398 ई.) में उत्तर प्रदेश की पावन नगरी काशी (वाराणसी) में हुआ था। लोकमान्यताओं के अनुसार, वे काशी के प्रसिद्ध 'लहरतारा' तालाब के किनारे कमल के फूल पर एक नन्हे शिशु के रूप में मिले थे। वहाँ से गुज़र रहे एक अत्यंत निर्धन, सहृदय और दयालु बुनकर दंपति—नीरू और नीमा ने उन्हें गोद ले लिया। उन्होंने इस अनाथ बालक को अपने सीने से लगा लिया और उसका नाम 'कबीर' रखा, जिसका अर्थ होता है—'महान'।

नन्हे कबीर का पालन-पोषण बुनकरों के सादे माहौल में हुआ। वे बचपन से ही अपने माता-पिता के साथ चरखा चलाने, सूत कातने और करघे पर कपड़ा बुनने का काम करते थे। वे औपचारिक रूप से किसी पाठशाला में पढ़ने नहीं गए। उन्होंने स्वयं कहा था—"मसि कागद छूयो नहीं, क़लम गह्यो नहिं हाथ", यानी उन्होंने कभी कागज़ और कलम को हाथ नहीं लगाया; उनका ज्ञान किताबी नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों और सच्चाई की गहरी समझ से उपजा था।

नन्हे कबीर के मन में ईश्वर को जानने की प्रबल इच्छा थी। वे उस समय के प्रख्यात संत स्वामी रामानंद को अपना गुरु बनाना चाहते थे, लेकिन संकोचवश आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। एक दिन भोर के अंधेरे में वे काशी के पंचगंगा घाट की सीढ़ियों पर लेट गए। जब स्वामी रामानंद गंगा स्नान के लिए उतरे, तो उनका पैर अनजाने में बालक कबीर पर पड़ गया। स्वामी जी के मुख से अचानक निकला—"राम! राम!" कबीर ने इसी पावन शब्द को अपना गुरुमंत्र मान लिया और स्वामी रामानंद के अनन्य शिष्य बन गए।

उस दौर में समाज में जाति-पाँति, ऊँच-नीच, छुआछूत और बाहरी दिखावे का बहुत बोलबाला था। कबीर दास जी ने अपनी सधुक्कड़ी भाषा (जनभाषा) में बिना किसी डर के पाखंड और अंधविश्वास पर करारी चोट की। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों को समझाया कि ईश्वर किसी मंदिर, मस्जिद या तीर्थ में नहीं, बल्कि हर इंसान के सच्चे और साफ़ दिल में बसता है। वे कहते थे कि कर्म से इंसान बड़ा होता है, जन्म या जाति से नहीं। जीवन भर वे स्वयं कपड़ा बुनकर बेचते और अपनी मेहनत की कमाई से संतों व गरीबों की सेवा करते रहे।

उस समय अंधविश्वास फैला था कि काशी में मरने से स्वर्ग और 'मगहर' में मरने से नर्क मिलता है। इस पाखंड को तोड़ने के लिए कबीर दास जी अपने अंतिम दिनों में काशी छोड़कर मगहर (संत कबीर नगर) चले गए और वहीं 1518 ई. में उन्होंने नश्वर शरीर का त्याग किया। उनकी शिक्षाएँ आज 'बीजक' ग्रंथ में सुरक्षित हैं। प्यारे बच्चों, संत कबीर दास का पावन जीवन हमें सिखाता है कि कभी किसी से जाति या धर्म के नाम पर भेदभाव मत करो, दूसरों की कमियाँ खोजने के बजाय अपनी कमियों को सुधारो और हमेशा सच, सादगी व प्रेम के साथ जियो।



.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

आज का विचार:

"मुझे क्या मिलेगा और मेरा क्या बचेगा" की क्षुद्र चिंताओं से बाहर निकलिए। जब आप अपने कर्तव्य और श्रेष्ठ मूल्यों के प्रति अनन्य रूप से समर्पित हो जाते हैं, तो आपकी प्रगति और सुरक्षा का भार स्वयं यह संपूर्ण व्यवस्था संभाल लेती है।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org